**BSKC - 101**

# स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम (संस्कृत)

## B.A. Hons. Sanskrit/B.A. (Major) Sanskrit(FYUP)

कार्यक्रम कोड : **BASKH/BAFSK**

पाठ्यक्रम – लौकिक सस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC-101**

## सत्रीय कार्य

## जनवरी 2026 एवं जुलाई 2026 सत्रों के लिए

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाचँ सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे ।

**उद्देश्य :** शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठय सामग्री को कितना समझा है और आप उस` अपने शब्दों मे ं कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

**निर्देश :–** सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2) बाईं आरे पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है ।

---

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पूरा पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर 2026

जुलाई 2026 सत्र के लिए : 31 माार्च 2027

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्यके प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को

   हटा दीजिए आरै प्रत्येक बिदुं पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या आरै अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता आरै तार्किक ढंग स` प्रस्तुत करे। उपसंहार मे ं उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और ससुंगत हो,

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातो ं पर आप जारे देना चाहते हैं, उन्हे ं रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ

सत्रीय कार्य : 2026 - 2027

स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम **(**संस्कृत**)**

B.A. Hons. Sanskrit/B.A. (Major) Sanskrit(FYUP)

कार्यक्रम कोड : BASKH/BAFSK

**BSKC-101** लौकिक सस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – **BSKC-101**

पाठ्यक्रम शीर्षक – लौकिक सस्कृत पद्य साहित्य

सत्रीय कार्य – BSKC-101/TMA/2026-2027

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

**(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–**

**1. अधोलिखित पद्यांशों में से किन्हीं चार (04) की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :–** **4x10 =40**

(क.) मा निषादप्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वती समाः।
यत् क्रौंचमिथुनादेकमवधीः काममोहितम्।।

(ख.) अवस्तुनिर्बन्धपरे कथं नु ते करोऽयमामुक्तविवाहकौतुकः।
करेण शम्भोर्वलयीकृताहिना सहिष्यते तत् प्रथमावलम्बनम्।।

(ग.) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्त्रेण सूर्यातपो

नागेन्द्रो निशिताङकुशेन समदो दण्डेन गौगर्दभौ।

व्याधिर्भेषजसंग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगर्विषं

सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।।

(घ.) श्रियःकुरूणामधिपस्य, पालनीं प्रजासु वृत्ति ं यमयुङ्.क्त वेदितुम् ।
स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ, युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः ।।

(ङ.) कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासड.गवतीमधीतिनीम् ।

दिदृक्षवस्तामृषयो अभ्युपागमन् न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।।

(च.) कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः।

तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः॥

**2. निम्न में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **5x10 =50**

क . मुक्तक काव्य की उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डालिये।

ख. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार खण्डकाव्य पर प्रकाश डालिये।

ग. भर्तृहरि के शतकत्रय का वर्णन कीजिए ।

घ. कालिदास के महाकाव्यों पर लेख लिखिए ।

ड. कुमारसम्भवम् के पंचम् सर्ग का कथासार लखिए ।

च. रघुवंश महाकाव्य के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण लिखिए ।

**3. निम्न में से किन्हीं दों पर टिप्पणी लिखिए –** **2x5 =10**

क. रावणवध

ख. महाकाव्य

ग. रघुवंश